SA.2

Std-10 (014) Hindi - 2018-19

महात्मा गांधी विद्यालय
मोगरी, ता.जि. आणंद

Expt. No.

Key PART-A

Date :

1	C - जलना	26	B - सहकारी मंडली
2	B - गोवर्धन	27	C - श्री सोमदेव
3	B - कुलनाशी	28	C - सचित्र
4	C - विश्वशांति दूत	29	C - प्रसाद की
5	C - रामधारी सिंह	30	C - स्कॉटलैंड
6	A - जलधि	31	B - नितांत - अशांत
7	B - मौनव्रत	32	D - परमान
8	B - अविराम चेतना	33	C - उत्तरण
9	C - भौंरे	34	D - विवेकानंद = विवेका + नंद
10	D - विषबुझा	35	D - विद्वता
11	C - अमीर खुशरो	36	D - कर्मधारय
12	D - कुतरकर	37	D - सम् + तुलन
13	C - मामा	38	C - बनना - बिगड़ना
14	B - किसान-मजदूर को	39	C - घाटी
15	D - सच्चा-साथी	40	B - ईंधन
16	C - आर्तनाद	41	A - कुल को बदनाम करना
17	B - स्वादेन्द्रिय	42	B - तंद्रा भंग होना
18	A - हमारे आलस्य को	43	B - घूमना - घुमक्कड़
19	B - मल्लिका की	44	C - तरणी
20	C - दन्तुल	45	B - शक्ति
21	A - कम्प्युटर विज्ञान	46	D - किसी के नुकसान से जब....
22	B - फ्रांसीसी लेखक	47	B - अधजल छलकत जाय
23	C - मानव प्रक्षेपण-यंत्र बनाना	48	B - एहसानमंद
24	C - मालती	49	A - मखमल - मखमली
25	B - मुट्ठीभर मेवा	50	D - बहुव्रीहि

MARUTI

Teacher's Signature :

SA - 2
(014) - 2018-19

Expt. No. (Key) Date :

हिन्दी - 10

PART - B

* दो-तीन वाक्यों में उत्तर (4)

1 करोड़ों लोगों के उत्साहभरे वचन थे कि यह भारतवर्ष हमारा महान देश है। दुनिया का ऐसा कौन-सा देश है जो हमारे देश का सामना कर सके? यह एक अद्वितीय देश है।

2. कवि के अनुसार बकरी में सौंदर्य उस समय प्रकट होता है, जब वह अपने दो पैरों पर खड़ी होकर काँटों के बीच से नन्ही-नन्ही पत्तियाँ खाती है। अथवा

2. कुछ दिन पहले वन में एक शिकारी आया था। उसने इस वृक्ष पर विष से बुझा बाण चला दिया था। इसलिए यह पेड़ सूख गया था।

* चार-पाँच वाक्यों में उत्तर (3)

3 ब्रज की स्त्रियाँ कृष्ण की मुरली की धुन की दीवानी थी। श्रीकृष्ण ने अपनी मुरली की मनमोहक तान से ब्रज की समस्त स्त्रियों को रिझा लिया था। अपनी मुरली की धुन से जैसे उन्होंने ब्रज की स्त्रियों पर कुछ ऐसा जादू-टोना-सा कर दिया था कि वे उनके हृदय में घर कर गए थे। हालत ऐसी हो गई थी कि किसी को किसी की परवाह नहीं थी। ब्रज के सारे स्त्री-पुरुष कृष्ण की मुरली की धुन पर मुग्ध हो गए थे। अथवा

3. इस काव्य में एक शिकारी कुत्ता एक खरहे का पीछा करता है और खरहा अपनी जान बचाने के लिए भागता हुआ एक कँटीली झाड़ी में छिप जाता है और उसकी जान बच जाती है।

इस काव्य से यह बोध मिलता है कि चाहे छोटा जीव हो या बड़ा, कमजोर हो या शक्तिशाली, जब उसके प्राणों पर बन आती है, तो उसमें अद्भुत शक्ति आ जाती है। व्यक्ति को संकट के समय अपनी सारी शक्ति लगाकर अपनी जान बचानी चाहिए।

* आशय स्पष्ट कीजिए। (3)

4. मनुष्य के शरीर में उसका भाल यानी कपाल सबसे महत्त्वपूर्ण अंग माना जाता है। हिमालय संसार में सबसे बड़ा और सबसे ऊँचा पहाड़ है। इसे भारत का सिर कहा जाता है। इस तरह हिमालय भारत का गौरव है। अथवा

MARUTI

Teacher's Signature :

Expt. No. Date :

4. आज चारों ओर युद्ध का माहौल है। पर भारत मानवजाति को युद्ध से छुटकारा दिलाने के लिए अंग्रोच्यार के द्वारा विश्व में शांति का प्रचार करने में लगा है। यह पृथ्वी पर रहनेवाले सभी लोगों को परिवार की तरह मिल-जुलकर रहने की सीख दे रहा है।

* दो-तीन वाक्यों में उत्तर (4)

5. बूढ़ी काकी के परिवार में उसने भतीजे बुद्धिराम के सिवा कोई दूसरा न था। बुद्धिराम ने बूढ़ी काकी से खूब लंबे चौड़े वादे किए और उन्हें तरह-तरह के सब्जबाग दिखाए। बूढ़ी काकी उसके झाँसे में आ गई। इस तरह बुद्धिराम ने बूढ़ी काकी की संपत्ति हथिया ली।

6. विज्ञापन प्रसिद्ध ऑटोमोबाइल कंपनी टेल्को (Tata) को योग्य और परिश्रमी इंजीनियरों की आवश्यकता के बारे में था। उसमें अंतिम पंक्ति में छोटे-छोटे अक्षरों में लिखा था - 'महिला उम्मीदवार आवेदन न भेजें।' टेल्को के विज्ञापन में यह चौंकानेवाली बात थी। अथवा

6. औरतों की पारिवारिक समस्याओं को दर्शानेवाले टी.वी. धारावाहिकों में गहनों से लदे स्त्री-पात्रों को 'सोने की चिड़ियाँ' कहा गया है।

* चार-पाँच वाक्यों में उत्तर (3)

7. हमारा जीवन एक शीशाघर है। हम जो भी करते हैं, उसका प्रतिबिंब एक ही समय में सैकड़ों लोगों पर पड़ता है। हर आदमी पूर्णसंग्रह का अंश है। वह जो कुछ अपने लिए करता है, उसमें दूसरों का भाग होता है। दूसरे लोग जो कुछ करते हैं उससे वह प्रभावित होता है। इसलिए आदमी का जीवन उसकी अपनी व्यक्तिगत जायदाद नहीं है। अथवा

7. पंचायत में कई प्रकार के घोटाले हुए थे। उर्वरकों (खाद) के वितरण में अनियमितताएँ हुई थीं, गरीबों के लिए आए राशन को काला बाजार में बेच दिया गया था। पंचायत घाटे में चल रही थी। गाँव के युवक पंचायत के पदाधिकारियों से इसका जवाब माँगते थे, पर पदाधिकारी जवाब देने से बचते थे। इसलिए गाँव के युवक पंचायत के पदाधिकारीयों से नाराज थे।

* आशय स्पष्ट कीजिए। (3)

8. समाज में दो तरह के लोग होते हैं। कुछ लोग प्रेम से कहने पर कोई काम करते हैं, तो कुछ लोग ताकत समझाने पर भी यह काम नहीं करते। लेकिन

MARUTI

Teacher's Signature : _____

Expt. No. Date :

मारने या डाँटने पर वे उस काम को करने के लिए तैयार हो जाते हैं। ऐसे लोग प्रेम की भाषा नहीं समझते। उनके साथ नरमी का व्यवहार न कर कड़ाई से काम लेना पड़ता है। उनके साथ उसी भाषा में व्यवहार करना चाहिए जिस भाषा को वे समझते हैं।

8. भाषण देना एक कला है। जो जितना अच्छा भाषण दे सकता है, वह श्रोताओं को उतना ही अधिक लुभा सकता है। भाषण में अपने विषय को श्रोताओं के समक्ष विस्तार से बताना होता है और उसे रोचक ढंग से पेश करना होता है। जो लोग इस कला में माहिर होते हैं, उनके भाषण लोकप्रिय होते हैं। ऐसे लोगों के लिए किसी प्रश्न का जवाब देना बाएँ हाथ का खेल होता है। अथवा

विभाग-B

★ पत्रलेखन (5)

9

सत्यम सोसायटी,
मोगरी रोड, मोगरी.
दि:-

प्रिय भाई, देवांग

पिताजी को कल ही तुम्हारे टीम के कोच श्री हरेशभाई गोंडिया से ज्ञात हुआ कि तुम्हारी टीम ने जयपुर में आयोजित डाक राज्य-स्तरीय क्रिकेट मैच में 6 विकेट से डाक शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने जयपुर के दैनिक समाचार में प्रकाशित उस समाचार की भी फोटो-कॉपी भेजी है जहाँ तुम्हारी गेंदबाजी की काफी सराहना की गई है। पिताजी ने तो पूरे मोहल्ले और दफ्तर के साथियों को मिठाई खिलवाई। वे अगले हफ्ते आयोजित फाइनल मैच में तुम्हारा हौसला-अफजाई करने पहुँच रहे हैं। तुमने गर्व से हम सबका सिर ऊँचा किया है, देवांग। हमारा आशीर्वाद तुम्हारी आनेवाली सफलताओं की राह जोहता है। तुम जल्द ही विश्व-स्तरीय खिलाड़ी बनो, देवांग।

सप्रेम
तुम्हारी दीदी
दिव्या

MARUTI

Teacher's Signature : _____

Expt. No. Date :

10. ई-मेल (ई-मेल)

ई-मेल का अर्थ है- इलेक्ट्रॉनिक मेल। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो दो कम्प्युटर युजर्स के बीच संदेश व्यवहार का कार्य करती है। 1960 से 1970 तक इस प्रकार की संदेश व्यवहार की पद्धति में अनेक रूप से सुधार हुए। आज इलेक्ट्रॉनिक मेल की प्रक्रिया ई-मेल के रूप में जानी जाती है।

यह प्रक्रिया इन्टरनेट के माध्यम से होती है। कुछ समय पहले दोनों कम्प्युटर युजर्स होना जरूरी था। आज यह ई-मेल व्यवस्था स्टोर एंड फोर्वर्ड मोडेल पर निर्भर है। ई-मेल सर्वर संदेश को स्वीकार कर, फोर्वर्ड कर डिलीवर करते हैं तथा स्टोर करते हैं। इसलिए भेजनेवाला या पानेवाला कम्प्युटर का online होना अब जरूरी नहीं।

★ विचार-विस्तार (3)

॥ नर जो करनी करे तो नारायण बन जाय।

मनुष्य के जीवन में 'करनी' अर्थात 'कर्म' का बड़ा महत्व है। मनुष्य के कर्म ही समाज में उसकी श्रेणी निर्धारित करते हैं। नीच कर्म करनेवाला अधम और श्रेष्ठ कर्म करनेवाला व्यक्ति उत्तम माना जाता है। हम राम, कृष्ण, महावीर, बुद्ध, नानक आदि को भगवान मानते हैं, क्योंकि उन सब ने अच्छे कर्म किए थे। इन्होंने लोगों की भलाई में अपना सारा जीवन लगा दिया। परोपकार ही इनके जीवन का ध्येय था। इन महापुरुषों के सत्कर्मों ने ही इन्हें महान बना दिया कि लोग उन्हें भगवान मानने लगे और उनकी पूजा करने लगे। इस प्रकार नारायण की तरह पूज्य और वंदनीय बनने के लिए मनुष्य को सच्चरित्र और कर्तव्यनिष्ठ बनना चाहिए। अथवा

॥ जो बीत गई सो बात गई।

इसमें संदेह नहीं कि बीता हुआ समय मनुष्य के मन पर अपनी गहरी छाप छोड़ जाता है, परंतु उस छाप का क्या महत्व है। भूतकाल की बीती बातों की जुगाली करने से कोई लाभ नहीं होता। बीती बातों पर अधिक सोचने से हमारी मानसिक शक्तियाँ क्षीण हो जाती हैं। हम अपनी क्रियाशक्ति खो देते हैं। पुरानी असफलताओं को याद करने से भविष्य भी अंधकारमय दिखने लगता है। सामने कर्तव्य पड़े होते हैं, पर उन्हें

Expt. No.   Date :

करने का उत्साह नहीं रहता। इसलिए बीती बातों को भूल जाने में ही भलाई है। पुरानी शत्रुता, पुरानी कड़वाहटें दिमाग से निकाल दें और वर्तमान में चैन से जीने की कोशिश करें। हम आशा का आंचल थामकर मन में नया उत्साह लाएँ। इससे हम एक नए जीवन का अनुभव करेंगे। इसलिए 'जो बीत गई सो बात गई' उक्ति का यही आशय है कि हम विगत के सूखे-मुरझाए फूलों को फेंककर अनागत के पुष्पों की सुगंध का आनंद लें।

विभाग-क

* परिच्छेद के उत्तर (4)

12 संसार में विजय साहसी लोगों को प्राप्त होती है

13. सफलता साहस की पुत्री है। जो कर्मवीर है वह सफलता प्राप्त कर सकता है।

14. कायर भय के सामने काँपने लगता है। साहसी भय को देखकर जोश में आ जाता है।

15. उचित शीर्षक: साहसी मनुष्य अथवा साहस ही शिरमोर है

* अहवाल (वृतांत) लेखन (3

16 आनंद, 10 दिसम्बर 2018। कल हमारी पाठशाला 'महात्मा गांधी विद्यालय, मोगरी' में वनमहोत्सव का आयोजन किया। सुबह सभी शिक्षक और माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थी विद्यालय में हाजिर हो गए। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के आचार्य श्री आर.जे. पटेल ने किया उन्होंने विद्यालय के प्रांगण में एक पौधा लगाया। फिर शिक्षकों और विद्यार्थियों ने आसपास गड्ढे खोदकर अनेक पौधे लगा दिए। ~~कल~~ गाँव के कई भागों में भी वृक्षारोपण किया गया। पौधों की सुरक्षा के लिए ग्राम पंचायत ने व्यवस्था की थी। हरे-भरे मोगरी की आशा के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

विभाग-ड

* कहानी लेखन (5

17 दो मित्र - समुद्र में तूफान - नौका का टूटना - दोनों का एक ही तख्ते का सहारा लेना - तख्ता केवल एक का भार संभालने में समर्थ - 'मेरी माँ को संभालो' इस सूचना के साथ अविवाहीत मित्र का तख्ते को छोड़ देना - दूसरे मित्र का बचना सीख - शीर्षक = सच्ची मित्रता अथवा मित्र हो तो ऐसा

Expt. No. Date :

* निबंध लेखन (7)

18 व्यायाम और स्वास्थ्य

(परिचय - स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास - व्यायाम से शरीर तथा मन पर नियंत्रण की क्षमता - अनेक प्रकार के व्यायाम और उनके लाभ।)

अथवा

18. यदि मैं शिक्षामंत्री होता...

(शिक्षामंत्री बनना एक सौभाग्य - सस्ती और उपयोगी शिक्षा - उचित माध्यम - पाठ्यपुस्तक एवं शिक्षा-प्रणाली में सुधार - अन्य सुधार।)

—x—x—

Teacher's Signature :